

СОДЕРЖАНИЕ

| | |
|--|---|
| Краткій очеркъ основанія и развитія Рижскаго мореходнаго училища дальнаго плаванія | 4 |
| Краткие сведения о Рижском мореходном училище ММФ СССР | 8 |

МОРСКИЕ РАССКАЗЫ

| | |
|---|-----|
| Мореходка | 13 |
| Летучий Голландец | 53 |
| Айринг | 57 |
| Балбес | 69 |
| Белыйдом | 87 |
| Березнюк | 93 |
| Бражка | 96 |
| Везет Митюкову | 98 |
| Витя и Рафаил Иванович | 103 |
| Витя у речников | 112 |
| Советские газовозы | 118 |
| Геша и Кеша | 121 |
| «Глория» | 123 |
| Граната | 132 |
| Дело в спирте | 134 |
| Жалко птичку | 139 |
| Замена | 143 |
| «Зиедзиньш» | 146 |
| Капитан Лавров | 157 |
| Матрос Катлинский | 164 |
| Про котов | 171 |
| «Мистика» | 171 |
| «Кот Васька» | 173 |
| Лена + Лёха | 175 |
| Маленькие СЧСы и большие мужики | 184 |
| Мир тесен | 192 |
| Ода 19-му подменному экипажу | 196 |
| Отравление | 200 |
| Охота выпить | 202 |
| Пельмень | 205 |
| Письмо | 209 |
| Подарок неба | 211 |
| Преисподняя | 214 |

| | |
|---|-----|
| Прикол | 216 |
| Рапорт | 219 |
| Родина | 222 |
| Рома | 226 |
| Сбор на «Глорию» | 232 |
| СД | 236 |
| Собачник | 240 |
| СРЗ | 243 |
| Суд | 246 |
| «Тамара» | 249 |
| Усы | 256 |
| Утюг | 259 |
| Чонкин в Александрии | 264 |
| Из рассказов Мануйлова | 266 |
| Страсти судовые | 266 |
| Продолжение страстей | 291 |
| И это страсти | 300 |
| В монастыре | 307 |
| Конец света | 310 |
| Мадонна | 315 |
| О частичной беременности | 318 |
| Будни | 321 |
| Сказки персидского залива | 328 |
| Взгляд из персидского залива | 328 |
| Либертосы | 331 |
| Мы пём | 335 |
| Пахан | 341 |
| Похмелье | 346 |
| Про комиссаров | 354 |
| Работа | 365 |
| Рассказ антисемита | 371 |
| Сухой закон | 374 |
| Хорошо сидим | 379 |
| Эмел | 384 |
| Анчар | 386 |
| Капитан Савко | 406 |
| Ещё не вечер | 417 |
| Всем стоять, никому не падать | 430 |
| Юра Мятлин | 438 |
| За борт! | 471 |
| Воля к жизни | 473 |
| Ричардс Бей — Эль Джубаил | 482 |